शब्दावली

अपनति – अवसादी चट्टानों में संपीडन बल से उत्पन्न एक मेहराबदार मोड़।

अवसादी चट्टानें – वे चट्टानें जो संस्तरों या तलछटों की परतों के रूप में निक्षेपित हैं।

आग्नेय चट्टानें – वह चट्टानें जो तरल मैग्मा के जमने या ठोस होने से बनती है।

आर्द्र भूमि – भूमि जो समय-समय पर जलमग्न हो जाती हैं। इसमें लवण कच्छ, ज्वारनदमुख, कच्छ व दलदल सम्मिलित हैं।

कायांतरित चट्टानें – वे चट्टानें जो मूल रूप से आग्नेय या अवसादी थी लेकिन जिनका लक्षण व रूप परिवर्तन हो गया है।

गिरिपद मैदान – वह मैदान जो पहाड़ों के पद में निर्मित हैं या स्थित हैं।

चट्टान – खनिजों का संगठित योग।

तेल प्रग्रहण – एक भूवैज्ञानिक संरचना जिसमें पर्याप्त मात्रा में तेल व गैस का संचयन संभव है।

भूतापीय – भूपर्पटी में गहराई के साथ तापमान का बढ़ना। ऊपरी परत में यह दर औसतन 30° सेल्सियस प्रति किलोमीटर है।

मैंगनीज़ ग्रंथियाँ – महासागरीय तली पर बिखरे हुए वे तलछट मुख्यत: लोहा व मैंगनीज़ सम्मिलित हैं तथा इनमें आमतौर पर कुछ मात्रा में ताँबा, निकल व कोबाल्ट भी होता है।

सकल घरेलू उत्पाद – यह एक समय विशेष पर अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का माप है। सामान्यत: यह एक वर्ष के लिए होता है।

ह्यूमस – मृत व अपघटित जैविक पदार्थ जो मिट्टी की ऊपरी परत की उर्वरकता बढ़ाते हैं।